

: बीफ बॉस :

संजय राउत बोले- जेल जाने के बाद उन्हें कैसर हुआ

राहुल ने पॉइजन टेस्ट की सलाह दी थी

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें जेल में रहने के दौरान ही कैसर की बीमारी शुरू हुई थी। राउत 2022 में पत्रा चॉल पुनर्विकास मामले में कथित भूमिका के चलते 100 से ज्यादा दिन जेल में रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें टॉक्सिसिटी टेस्ट कराने की सलाह दी थी, ताकि पता चल सके कि उनके खाने में जहर तो नहीं मिलाया गया था। राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार इतनी क्रूर है कि वह कुछ भी कर सकती है। जेल में रहे दूसरे राजनीतिक नेताओं की हालत भी खराब है।

संजय को 2025 में कैसर का पता चला, इलाज जारी: संजय राउत के मुताबिक, उन्हें पेट के कैसर का पता नवंबर 2025 में दिवाली से करीब 2-4 दिन पहले चला था। उनके भाई सुनील राउत ने जांच के लिए ब्लड टेस्ट कराया था, जिसके बाद कैसर की पुष्टि हुई।

सीजेपी कार्यकर्ता ने घर पर पत्थर फेंकने का आरोप लगाया

नई दिल्ली,एजेंसी। काँकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके घर को घेर रहे हैं और घर पर पत्थर और ईंटें फेंकी गईं।

नीशू ने इसको लेकर शनिवार रात को सोशल मीडिया में वीडियो जारी किया। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता और परिवार की सुरक्षा की मांग की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, 'अगर मेरे माता-पिता को कुछ हो गया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? 'दरअसल, जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय आजाद से मारपीट के मामले में कंटेन क्रिएटर स्वातंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी शनिवार को हो चुकी है।

एनएसयूआई अध्यक्ष घर पहुंचे, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए: वीडियो सामने आने के बाद NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ शनिवार को संजय आजाद के घर पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की।

बिहार के घायल छात्रों से मिले राहुल गांधी, साथ खड़े रहने का किया वादा

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वह यहां अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और वह बैसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्टर में लिखा, 'सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई।

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वह यहां अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और वह बैसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्टर में लिखा, 'सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई।

एमपी के सागर में जहरीली शराब से 11 मौतें, 24 लोग भर्ती

● बीमारों के शरीर नीले पड़े ● कलेटर ने 10 के मरने की पुष्टि की

सागर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है।

कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बंड थाना क्षेत्र के नौराजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है।

जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए

सीएम बोले- इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभाी मंत्री और अधिकारियों को मौके पर तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे। इस तरह की घटनाओं को हमारी सरकार बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगी। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने x पर पोस्ट कर सरकार पर सवाल उठाए हैं।

गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में सौंदर्य मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है।

6 शराब दुकानों को सील कर सैपलिंग के निर्देश: मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीडित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैपलिंग के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

कर्मचारियों का सवाल- क्या इसरो रॉकेट नहीं बनाएगा ?

9 संगठनों ने प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा

» कांग्रेसी बोली- साराभाई की विरासत खत्म की जा रही

नई दिल्ली,एजेंसी। इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने स्पेस एजेंसी के चेयरपर्सन वी. नारायणन को पत्र लिखकर प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है।

कर्मचारियों ने लेटर में ISRO की मैनुफैक्चरिंग और ऑपरेशनल काम निजी कंपनियों को सौंपने की प्रस्तावित योजना पर आधिकारिक जवाब मांगा है।

इसरो के अंदर से सवाल उठने की वजह... इसरो की भूमिका को लेकर यह सवाल 21 अगस्त को IN-SPACe चेयरपर्सन पवन गायनका की टिप्पणी के बाद उठा है। एक कार्यक्रम में गायनका ने कथित तौर पर कहा था कि आखिरकार ISRO कोई लॉन्च व्हीकल नहीं बनाएगा और न ही किसी लॉन्च व्हीकल का निर्माण करेगा। यह सब निजी क्षेत्र या PSU करेगा। IN-SPACe निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष गतिविधियों को बढ़ावा देने, मंजूरी देने और उनकी निगरानी का काम करता है।

उधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने झू पर लिखा कि स्पेस एजेंसी के अंदर से आवाजें उठने लगी हैं। जब साराभाई और धवन की विरासत को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है तो बाकी

सिक्किम में लैंडस्लाइड, दो नदियों का रास्ता बंद, पानी एक जगह जमा

यूपी में घाट डूबे, सड़क पर चिताएं जलीं; म.प्र. में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली,एजेंसी। सिक्किम के नंगा फॉरेस्ट इलाके में नंगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकठ्ठा होने लगा।

वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं।

उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बरगी, भदभदा और कलियासोत डैम के गेट खुल चुके हैं। प्रदेश में अब तक 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

बिहार-महानंदा एक्सप्रेस को गलत सिग्नल, दिल्ली के बजाय सासाराम निकली

फिर इंजन और 2 कोच डिरेल हुए; कई ट्रेनें लेट, स्टेशन मास्टर सस्पेंड

भोजपुर,एजेंसी। बिहार के आरा में रविवार सुबह करीब 4 बजे 15483 अलीपुरझार जंक्शन-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस डिरेल हो गई। एक जनरल और एक AC बोगी पटरी से उतर गईं।

घटना पंडित दीनदयाल उपाध्याय-दानापुर रेलखंड पर हुई। घटना के बाद रेलवे स्टाफ और ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रेलवे के अधिकारी-



चुनाव प्रचार के लिए पार्टियां इंप्लूएसर्स का नेटवर्क बना रहीं

रील्स के जरिए प्रचार करेंगी, 30 लाख देने का तैयार; यूपी, उत्तराखंड, पंजाब में अगले साल इलेक्शन

नई दिल्ली,एजेंसी। राजनीतिक दलों की ताकत का पुराना आधार संगठन और कार्यकर्ता रहे हैं। अब इनके समानांतर कंटेनट क्रिएटर्स और माइक्रो इंप्लूएसर्स की 'डिजिटल फौज' खड़ी हो रही है। इनके पास न पार्टी का पद है, न झंडा। लेकिन, हजारों-लाखों स्क्रीन तक पहुंच है।

युवा आंदोलनों ने इसकी ताकत दिखा दी है। आंदोलन की सूचना, नैरेटिव और सरकार से सवाल अब सिर्फ सभा, पोस्टर या प्रेस कॉन्फ्रेंस के भरोसे नहीं हैं। एक रील, मीम या शॉर्ट वीडियो कुछ घंटों में लाखों युवाओं तक पहुंच सकता है।

यूपी, पंजाब और उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टियां 10 से 50 हजार फॉलोअर्स वाले स्थानीय इंप्लूएसर्स का नेटवर्क बनाने में जुटी हैं। डिजिटल कैपेन से जुड़े लोगों के अनुसार, छोटे और मझोले इंप्लूएसर्स किसी दल से स्थायी रूप से नहीं जुड़ते। वे अलग-अलग समय पर भाजपा, कांग्रेस, आप या अन्य दलों के लिए काम कर सकते हैं।

50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर, तो 30 लाख रुपये मिलते हैं: राजनीतिक रील के 15 से 50 हजार रू. और पोस्टर के 15 से 20 हजार रू. तक दिए जाने के दावे हैं। सोशल मीडिया कंपनी चलाने वाले श्याम तिवारी के अनुसार, 5 लाख तक सब्सक्राइबर वाले क्रिएटर 50 हजार से एक लाख रूपए तक लेते हैं। 50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर वाले बड़े क्रिएटर का एक कंटेनट 30 लाख रूपए तक पहुंच सकता है।

राजनीतिक पेमेंट नकद में चलने के दावे हैं। चुनाव आयोग सोशल मीडिया राजनीतिक विज्ञापन और चुनावी खर्च को नियमन के दायरे में रखता है। एएससीआई गाइडलाइंस भी विज्ञापन की स्पष्ट सूचना देने को कहती हैं।

पर, कोई शिक्षक शिक्षा नीति की तरीफ करे तो दर्शक कैसे पहचाने कि यह पेड प्रचार है। 2027 के दौरान होने वाले चुनाव में वोट के सामने ये चुनौती रहेगी।

स्थानीय असर ज्यादा अहम, सरकारों ने बना दिए रेट कार्ड...

पार्टियां क्रिएटर की सामाजिक पहुंच, विचारधारा और बॉडी लैंग्वेज तक परखती हैं। 15 हजार फॉलोअर्स वाला शिक्षक, किसान, कॉमेडियन कहीं-कहीं राष्ट्रीय सेलिब्रिटी से ज्यादा प्रभावी हो सकता है। त्वरित नैरेटिव के लिए इंस्टाग्राम इंप्लूएसर्स और नेता की छवि गढ़ने के लिए पॉडकास्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

वाले चुनाव में वोट के सामने ये चुनौती रहेगी।

mediaauditornews@gmail.com

Epaperdainikmediaauditor.in

वर्ष-02 अंक-248

पृष्ठ-8

मूल्य-3 रूपये

सेवानिवृत्त शिक्षकों का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मान

कलेक्टर ने कहा-आपका अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण जिले की शैक्षणिक पहलों में सहयोग का किया आग्रह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान एवं उनके अनुभवों से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा की पहल पर ईडियन कॉफी हाउस में विशेष भोज का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जिले के 15 सेवानिवृत्त शिक्षक शामिल हुए । इ स अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनन्द, अपर कलेक्टर बोपी पाण्डेय, जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा, जिला जनसंपर्क अधिकारी अधिकारी मुकेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग पीके पाण्डेय ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ आत्मीय संवाद किया। अतिथियों द्वारा सभी शिक्षकों को शाल एवं श्रीरामचरितमान भेंट कर सम्मानित किया गया



कलेक्टर विकास मिश्रा ने सेवानिवृत्त शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि आपका अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण है। आपने अपने सेवाकाल में विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य किया है। सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ जिले के विद्यार्थियों को मिल सकता है।

उन्होंने शिक्षकों से जिले में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं प्रयासों में अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग देने का आग्रह किया। कलेक्टर ने बताया कि जिले के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को नोट एवं जेईई की तैयारी के लिए कोचिंग प्रारंभ की गई है इसके साथ ही संजय गांधी महाविद्यालय में विद्यार्थियों

को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए भी पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को और प्रभावी बनाने में अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण हो सकता है। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेवाकाल पूर्ण होने के बाद भी प्रशसन द्वारा उन्हें याद कर



सम्मानित करना उनके लिए भावुक एवं सुखद अनुभव है उन्होंने कहा कि उनके अनुभव को महत्व दिया जाना और विद्यार्थियों के हित में उसका उपयोग करने का अवसर मिलना उनके लिए विशेष संतोष की बात है। शिक्षकों ने जिले के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए अपनी क्षमता के अनुसार

सहयोग देने की इच्छा भी व्यक्त की कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, संस्मरण एवं शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अपने सुझाव भी साझा किए। आयोजन का उद्देश्य केवल सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान करना नहीं, बल्कि उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन को जिले की शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ना भी रहा।

सीधी जिले की तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को भारत सरकार से छफ़ै गुणवत्ता प्रमाण पत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (छफ़ै) के तहत चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं का भौतिक मूल्यांकन किया गया था। मूल्यांकन के उपरांत सीधी जिले की तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को छफ़ै गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है छफ़ै के तहत 20, 21 एवं 22 अगस्त 2026 को स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का भौतिक मूल्यांकन किया गया। रायपुर के डॉ. दिनेश कुमार एवं दिल्ली के डॉ. शेर सिंह कक्कड़ द्वारा 12 निर्धारित सेवाओं के आधार पर मूल्यांकन किया गया। भारत सरकार द्वारा 1 सितंबर 2026 को मूल्यांकन का परिणाम जारी किया गया ज 1 र 1 परिणाम के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर जामोड़ी ने 86.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूर्ण गुणवत्ता प्रमाण पत्र हासिल किया है। संस्था का मूल्यांकन 22 अगस्त को किया गया था इसी प्रकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर ऐंठी ने 83.33 प्रतिशत

तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बल्हया ने 84.77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सशर्त गुणवत्ता प्रमाण पत्र हासिल किया है। ऐंठी का मूल्यांकन 20 अगस्त तथा बल्हया का मूल्यांकन 21 अगस्त को किया गया था। दोनों संस्थाओं को छह माह की वैधता के साथ सशर्त प्रमाणीकरण प्रदान किया गया है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की टीम के निरंतर प्रयासों और कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सशर्त प्रमाणीकरण प्राप्त दोनों स्वास्थ्य संस्थाओं में मूल्यांकन के दौरान चिन्हित कमियों को शीघ्र दूर कर पूर्ण गुणवत्ता प्रमाणीकरण प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाएगा उन्होंने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आदिवासी कांग्रेस का धरना विक्रांत भूरिया बोले- स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल, कल्पना मिश्रा मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली और कथित लापरवाही के विरोध में आदिवासी कांग्रेस ने रविवार को कमिश्नरी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की धरने को संबोधित करते हुए आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए भूरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लोगों को समय पर समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार खराब हो रही है उन्होंने रीवा में कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत की घटना का उल्लेख करते हुए मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की उन्होंने बालाघाट और छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को लेकर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। भूरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और अन्वयस्थाओं के कारण आम लोगों को पेशानी उठनी पड़ रही है।



आदिवासी समाज का आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने कहा कि रीवा से शुरू हुआ यह आंदोलन आगे प्रेक्ष और देश स्तर पर आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष का रूप लेगा उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। भूरिया ने कहा कि जनता सरकार की कार्यप्रणाली से पेशान है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

करीम नेताओं ने भी रखे विचार: कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक अर्चना पोते ने किया धरने को मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, केके शास्त्री, चंद्रा सरवटे, अजय सिंह, शिवशंकर गाँठिया सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया धरने में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, सेमरिया विधायक अभय मिश्रा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन्यजीव तस्करी के तीन आरोपी गिरफ्तार पिपराही से पकड़े गए आरोपी भाजपा नेता के पौत्र का नाम सामने आने से चर्चा, STF की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ स्टेट ग्राहगर रिजर्व टास्क फोर्स (STF) और वन विभाग की कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है टीम ने शनिवार सुबह सीधी-मऊरांज जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पिपराही से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया था कार्रवाई को शनिवार और रविवार को गोपनीय रखा गया। रविवार शाम करीब 4 बजे आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल सीधी लाया गया इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया STF की टीम वन्यजीव तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क की जांच कर रही है जांच के दौरान मोबाइल चैट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को



खंगाला जा रहा है बताया जा रहा है कि टीम ने तस्करी से जुड़े लोगों तक पहुंचने के लिए व्यापारी बनकर संपर्क साधा था जांच में सांभर चीतल सहित अन्य वन्यजीवों के अवशेष और मगरमच्छ की खाल से जुड़े इनपुट भी सामने आए हैं। हालांकि इनकी बयानदगी और पूरे नेटवर्क को लेकर विभाग की विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी पकड़े गए आरोपियों में अनमोल सिंह चंदेल पिता

रणबहादुर सिंह चंदेल, निवासी ग्राम बीरा देती, उम्र करीब 25 वर्ष, अभिषेक उर्फ प्रिंस सिंह चंदेल, पिता पुष्परंज सिंह चंदेल, निवासी ग्राम दुधामनिया, उम्र करीब 27 वर्ष और लल्ला बैगा, निवासी ग्राम जडुकुड़ शामिल हैं आरोपी अभिषेक उर्फ प्रिंस सिंह चंदेल का नाम सामने आने के बाद मामला राजनीतिक चर्चा में भी आ गया है बताया जा रहा है कि अभिषेक भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव बहादुर सिंह चंदेल के पौत्र हैं शिव बहादुर

सिंह चंदेल पूर्व में भाजपा की ओर से सिवावल विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रह चुके हैं हालांकि आरोपी की भूमिका और तस्करी नेटवर्क में उसकी कथित सलिप्तता को लेकर STF की जांच जारी है STF की जांच सीधी तक सीमित नहीं है संभावित नेटवर्क के तार आगरा और तमिलनाडु तक जुड़े होने की आशंका की भी पड़ताल की जा रही है अधिकारियों द्वारा मोबाइल चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुड़ाई जा रही है DFO राजेश कन्ना टी ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है वन विभाग और STF द्वारा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

विशेष डीएलसीसी बैठक में शासकीय ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने अर्धवार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बैंक एवं विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में विशेष

जिला स्तरीय बैंकर्स समिति (डीएलसीसी) की बैठक शनिवार आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित

विभिन्न शासकीय ऋण योजनाओं तथा बैंकिंग गतिविधियों की प्रगति की विभागवार एवं बैंकवार समीक्षा की गई कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा शासकीय ऋण योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अर्धवार्षिक लक्ष्यों की समय-सीमा में प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में विभागों एवं बैंकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने लॉबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए पात्र

हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मध्यांचल ग्रामीण बैंक की जमोड़ी शाखा को आजीविका मिशन के अंतर्गत सीसीएल ऋण के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने बैंक शाखा द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए अन्य बैंक शाखाओं को भी शासकीय योजनाओं के लक्ष्यों की प्रभावी पूर्ति के लिए प्रेरित किया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी सौम्या आनन्द ने भी बैठक में उपस्थित विभागीय

अधिकारियों एवं बैंक शाखा प्रबंधकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों और बैंकों के मध्य समन्वय बढ़ाने तथा हितग्राही-केंद्रित कार्यप्रणाली अपनाने पर जोर दिया बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक शिवेंद्र कुमार चौधरी, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड देवेश कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम पुष्पेंद्र सिंह सहित विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी एवं जिले के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मझौली की 36 उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण

सात संयुक्त जांच दलों ने दुकानों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, उपभोक्ताओं से प्राप्त किया फीडबैक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर विकास मिश्रा के निदेश पर 5 सितंबर को मझौली विकासखंड में संचालित 36 शासकीय उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर द्वारा 3 सितंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य, सहकारिता, नागरिक आपूर्ति निगम एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों को शामिल करते हुए 7 संयुक्त जांच दल गठित किए गए थे। अभियान के दौरान जांच दलों ने उचित मूल्य दुकानों की संचालन व्यवस्था, उपलब्ध खाद्यान्न, वितरण प्रक्रिया तथा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कवाई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। दलों द्वारा उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर दुकान की व्यवस्थाओं एवं खाद्यान्न



वितरण के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त किया गया निरीक्षण के दौरान दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को शासन की योजनाओं के अनुरूप खाद्यान्न प्राप्त होने की स्थिति की जानकारी ली गई। जांच दलों ने मौके पर उपभोक्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं अनुभवों को भी जाना कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी जांच दलों को निरीक्षण के उपरंत प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में जिन उचित मूल्य दुकानों पर

अनियमितता पाए जाने की पुष्टि होगी, वहां संबंधित दुकान संचालक एवं प्रबंधक के विरुद्ध कवाई के लिए प्रकरण सक्षम अधिकारी को भेजा जाएगा प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में जिले के अन्य जनपद पंचायत क्षेत्रों में भी इसी प्रकार जांच एवं निरीक्षण की कवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य उचित मूल्य दुकानों की व्यवस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की खाद्य योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से उपलब्ध करना है।

वास्तविकताओं से दूर-1

विधानसभा का मानसून सत्र इस लिहाज से अलग रहा कि यहां इसकी-उसकी बहस में मुद्दों का यथार्थ तपा और कई प्रश्नों के जवाब में वास्तविकताओं को मंजूरी मिल गई। यहां सरकार के कड़े फैसले अगर यथार्थ समझा जाए, तो विपक्ष की निगरानी ने सरकार से वास्तविकता उगलवा ली। कुछ विधेयक इस दिशा में प्रदेश के सच की गवाही दे रहे हैं, तो कुछ फैसलों की निगाह से विपक्ष ने सुरमा चुरा लिया। हो हल्ला जहां हुआ, वहां विजनेस के मायने दोनों पक्षों में इतने बटे कि सत्र अपने आप में स्पष्टीकरण बन गया। सरकार ने माना कि 3315 रिंगल टीचर स्कूलों के

अस्तित्व के लिए नीति लाने की जरूरत है। सरकारी बसों का लेखा जोखा और इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार पर एक सार्थक बहस हुई, तो सरकार ने माना कि जरूरत के अनुसार नई बसें खरीदी जाएंगी। यहां सरकार के संकल्प दर्ज हुए तो राज्य की रफ्तार में एक हजार इलेक्ट्रिक बसें आएंगी और कोशिश यह कि दो सौ हाइड्रोजन बसों का प्रयोग किया जाएगा। सरकारी विश्वविद्यालयों के भर्ती नियमों के टकराव पर सियासत के गिले-शिकवे एकतरफ, मगर यहां लोक सेवा आयोग या सरकारी एजेंसी के माध्यम से शिक्षक और गैर शिक्षक वर्ग के कर्मचारी

नियुक्त होंगे। सत्र में घोषणाओं पर बजी तालियों का यथार्थ भी सामने आया। कई सालों से हम सुनते आए हैं कि प्रदेश में रज्जु मार्गों का जाल बुना जा रहा है और राजधानी शिमला में ट्रैफिक ट्रॉजिट सिस्टम के तहत एक व्यापक योजना के तहत रज्जु मार्ग परियोजना का श्रीगणेश हो रहा है, लेकिन सत्र ने स्पष्ट कर दिया कि इनके लिए निजी निवेश की जरूरत है। सरकार पीपी मोड के तहत रज्जु मार्गों की स्थापना पर रजामंद है। ऐसे में पी पी मोड

के तहत पलचान-रोहतांग, चित्तपूर्ण मंदिर, बिजली महदेव, बाबा बालक नाथ, कुल्लू-ढालपुर रोप वे तथा नड्डू न्यू च्वाइट धर्मशाला जिपलाइन परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। यह

हकीकत है कि अब सरकार तहत एक व्यापक योजना में निजी क्षेत्र का पुंजी निवेश चाहिए। सराकर ने केंद्र के रवैये का यथार्थ भी बार-बार विपक्ष के सामने रखा, इसलिए हर उल्लेख आया गया नहीं है। खास तौर पर प्रधानमंत्री द्वारा घोषित पन्द्रह सौ रुपए की आपद

राहत राशि का रास्ता जिस ईमानदारी से हिमाचल से जुड़ना था, नहीं जुड़ा। इसी तरह विपक्ष ने हर प्रश्न के साथ वास्तविक स्थिति की परीक्षा ली मसलन 26724 आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य का सवाल, राज्य पर बढ़ते उधार की पैमाइश, हिमकेयर योजना के पेंडिंग 388 करोड़, आईपीएस-आईएस अधिकारियों के पदों में कटौती तथा विभिन्न रिक्तियों पर यथार्थ खोजा गया। विपक्ष खेत तक गया और यूरिया की बोरी से नैनो यूरिया का बोझ हटवा दिया। मंदिरों के आय-व्यय का चिट्ठा खुला, तो सरकार ने इच्छा जाहिर की कि सामाजिक कार्यों में आस्था के स्रोत

इस्तेमाल होंगे। सत्र की महिमा में बल्क ड्रग पार्क की वास्तविकता पृछी गई, तो पता चला कि आगामी मार्च तक काम शुरू हो जाएगा। प्रदेश किस्मत की लाटरी खेलेगा, इसलिए इसे आर्थिक संसाधनों की खोज माना गया। विधानसभा सत्र की खुश्वी में राजनीति से ऊपर प्रदेश के महीन विषय भी उठे, तो जिक्र कांग्रेस की गारंटियों, कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार और जलजीवन मिशन की बंद पड़ी 279 योजनाओं तक पहुंच गया। सरकार अब इस यथार्थ को स्वीकार कर चुकी है कि फैसले चाहे सख्त हों, लेकिन प्रदेश के भविष्य को रेखांकित जरूर करें।

आइआइटी संस्थानों में यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।?एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी है। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है। आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवाँ आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरुआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं।

विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटरशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतियक्षा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित अस्वेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है। आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थगत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठाना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है।

एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसलिंग सेवाएं, 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं।

योगेश कुमार गोयल

एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पढ़ लेते थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है।

यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि

को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी? निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुईं, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस

वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है।

दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए

परिवहन की जवाबदेही से जुड़ा है। स्लीपर बसों में पर्दों का इस्तेमाल, वाहन के भीतर निगरानी, यात्रियों की पहचान, ड्राइवर-परिचालक का सत्यापन, निर्धारित मार्ग से विचलन, रात में अकेले या नाबालिग यात्रियों की सुरक्षा, इन सभी बिंदुओं पर नियम होने भर से काम नहीं चलेगा। नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। परिवहन विभाग, पुलिस और बस संचालकों की संयुक्त जवाबदेही

जाती है और दूसरी ओर उम्रदराज महिलाएं अपने ही परिवारों द्वारा छोड़ दी जाती हैं। प्रश्न केवल कानून का नहीं है, प्रश्न उस सामाजिक मानस का है, जिसमें कमजोर व्यक्ति सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। जब परिवार में संवेदना कमजोर होती है, जब शक्ति को सम्मान और अपराधी प्रवृत्ति को प्रभाव समझा जाने लगता है, जब धन और बाहुबल सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनने लगते हैं, तब कानून अकेला

सुरक्षित हैं’ जैसे सवालों का उत्तर विज्ञापनों या राजनीतिक दावों से नहीं दिया जा सकता। उत्तर सड़कों पर दिखना चाहिए, बसों में दिखना चाहिए, पुलिस की प्रतिक्रिया में दिखना चाहिए और उन व्यवस्थाओं में दिखना चाहिए, जो किसी अकेली लड़की को संकट में पड़ने से पहले सुरक्षा उपलब्ध कराएं। वर्तमान घटना से दिल्ली-पनसीआर के लिए कुछ स्पष्ट सबक निकलते हैं। रात में चलने वाली बसों की अनिवार्य निगरानी हो, सभी स्लीपर बसों में कार्यशील सीसीटीवी और आपातकालीन संचार प्रणाली हो। चालक-परिचालक के पुलिस सत्यापन और प्रशिक्षण को नियमित किया जाए, बस के निर्धारित मार्ग और उद्धारक की डिजिटल निगरानी हो, नाबालिग या अकेली महिला यात्री के साथ संदिग्ध स्थिति में चालक दल को विशेष प्रोटोकॉल का पालन करना पड़े, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली पुलिस के बीच साझा रियल-टाइम निगरानी तंत्र विकसित हो। सबसे महत्वपूर्ण, किसी भी महिला या बच्ची की शिकायत को ‘क्षेत्राधिकार’ के नाम पर एक थाने से दूसरे थाने तक न दौड़ाया जाए। निर्भया के बाद हमने बहुत कुछ बदला लेकिन शायद उतना नहीं, जितना बदलना चाहिए था। कठोर कानून बनाना आसान है लेकिन कानून को जमीन पर उतारना कठिन। सीसीटीवी लगाना आसान है; उसे चौबीस घंटे सक्रिय रखना कठिन। पुलिस वाहन खड़े करना आसान है, वास्तविक गश्त सुनिश्चित करना कठिन। महिला सुरक्षा के दावे करना आसान है लेकिन ऐसी व्यवस्था बनाना कठिन, जिसमें कोई लड़की रात के अंधेरे में अकेली होने के बावजूद असुरक्षित महसूस न करे। इसलिए इस घटना को केवल एक और अपराध मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। यह चेतावनी है कि अपराधी तभी बेखौफ होते हैं, जब व्यवस्था में कहीं न कहीं भय का अभाव पैदा हो जाता है। उन्हें कानून से नहीं, कानून के निश्चित और निष्पक्ष क्रियाव्ययन से डरना होगा। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह अपराध के बाद मोमबत्ती जलाने वाला समाज बनेगा या अपराध से पहले अपनी देहियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला समाज।



का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पृष्ठना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था कितनी बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा के कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चिन्ता का होता है। यदि उसे लगता है कि

कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं।दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक

तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन अलर्ट प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करे, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुर्माना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो। हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कहकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ

समाज को नहीं बचा सकता। हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। विपक्ष सरकार को घेरता है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शानन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए। ‘महिलाएं रात में कितनी

मेडिसन स्वायर में मोहन भागवत: नफरत की सियासत और समावेशिता का मुखौटा

राम पुनियाजी

आरएसएस के मुखिया, सरसंघचालक मोहन भागवत इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं। प्रथम चरण में वे अमरीका पहुंचे जहां उनका मुख्य कार्यक्रम न्यूयार्क के मेडिसन स्वायर में न्याय था। इस कार्यक्रम में करीब 5,000 लोगों के आने की उम्मीद थी। इस यात्रा का घोषित उद्देश्य था आरएसएस के बारे में व्यापक गलत धारणाओं को दूर करना, लोगों से संवाद करना और सारी दुनिया एक ही का संदेश देना। इस कार्यक्रम का कड़ा विरोध हुआ था। विरोध करने वालों में लगभग 61 मानवाधिकार संगठन शामिल थे, जिन्होंने संघ परिवार की नफरत की राजनीति पर रोशनी डाली। विरोध करने वालों ने आरएसएस से जुड़े लोगों के लेखन का हवाला दिया जिसमें यहूदियों का कत्लेआम करने के लिए हिटलर की भ्रू-भूरि प्रशंसा की गई थी और हिन्दू राष्ट्रवादियों को राष्ट्रनिर्माण के हिटलर के तरीके का अनुसरण करने के लिए कहा गया था।

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोग बैनर लिए हुए थे जिन पर लिखा था कि आरएसएस ने महात्मा गांधी की हत्या की थी। यहां तक कि न्यूयार्क के मेयर जोहानन मम्वानी, जो भारतीय मूल के हैं, ने भी आरएसएस की निंदा की और आरएसएस के आयोजन के प्रति अपनी नाराजगी दर्ज कराई। मगर उन्होंने कहा कि वे इसे रूकवाने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस भारत में वे बड़े हुए (वे भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर के पुत्र हैं) उसमें विविधता का सम्मान था, वहीं आज का भारत एक असहिष्णु राष्ट्र बन गया है। कई हिन्दू संगठनों और अन्य मानवाधिकार संगठनों ने भी भागवत विरोधी प्रदर्शनों में भाग लिया। भागवत का कार्यक्रम 200 से अधिक संगठनों ने आयोजित किया था जो मुख्यतः पहचान से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहे हैं। कार्यक्रम में भागवत ने बहिष्करण की अपनी राजनीति को छिपाने का प्रयास करते हुए स्वयं को एक उदार व्यक्ति के रूप में दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि विविधता हमारी जन्मजात एकता का गहना है और मुस्लिम-मुक्त भारत चाहने वाला हिन्दू, हिन्दू नहीं रहेगा। बहुत अच्छी बात है! इस एक व्यक्ति और एक संस्था के बारे में अपनी राय को आधार पर या उसकी कार्रजायियों के आधार पर? अनेकता में एकता, सद्भाव और धर्मों की सीमाओं के परे लोगों में एकता, भारत के अतीत का हिस्सा रहे हैं। आजादी के संघर्ष के दौरान भागवतिष्ठ के आदर्शों, अम्बेडकर के मूल्यों और गांधी के बंधुत्व के साथ लोगों ने अंग्रेजों की



गुलामी से आजाद होने की लड़ाई लड़ी। आरएसएस-हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग लोगों को जोड़ने की इस प्रक्रिया से दूर बने रहे। इस दौरान आरएसएस ने केवल भारतीय राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया के प्रति उदासीन रहा, बल्कि उसने मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने (और बाद में ईसाइयों के खिलाफ भी) में कोई कसर नहीं छोड़ी और कई तरह से ब्रिटिश शासकों की सहायता की। आरएसएस द्वारा अपनी शाखाओं, स्कूलों, मीडिया और बाद में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई गई नफरत की वजह से बड़े पैमाने पर साम्प्रदायिक हिंसा हुई जिसके मुख्य शिकार मुसलमान हुए। जहां ब्रिटिश राज के दौरान हिन्दू और मुसलमान साम्प्रदायिक तत्वों के बीच लगभग बराबरी का मुकाबला था, वहीं आजादी के बाद आरएसएस की साम्प्रदायिकता का बोलबाला हो गया, जिससे इन दो प्रमुख समुदायों के बीच गहरी खाई बन गई। इसी नफरत के

चलते हमने 1993 में मुंबई में, 2002 में गुजरात में, 2013 में मुजफ्फरनगर और 2019 में दिल्ली में मुसलमानों के व्यापक नरसंहार की घटनाएं देखीं। आरएसएस की राजनीति का असली चेहरा गुजरात के बिलकोस बानो मामले से पूरी तरह साफ है। एक गर्भवती मुस्लिम महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता है, और इसके दोषियों को थोड़ा समय जेल में गुजारने के बाद रिहा कर दिया जाता है! यही है उसका महिलाओं के प्रति सम्मान भाव! उसने पवित्र गाय का मामला भी जोरशोर से उठाया जिसके नतीजे में कई मुसलमानों की लिंगिच हुई। अखलाक, रकबर खान आदि के साथ ही कई दलित भी लिंगिच का शिकार बने। उन में लाटियों और लोहे की छड़ों से दलितों की पिटाई से आरएसएस के दलितों के प्रति रवैये की पोल खुल गई।

1980 के दशक से ईसाई भी आरएसएस के निशाने पर आ गए। जहां पास्टर स्ट्रेस और उनके

दो मासूम लड़कों को जिंदा जलाए जाने की घटना को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. के.आर नारायणन ने ठीक ही मानव जाति के सबसे कलुषित कार्यों में से एक कहा था, वहीं कंधमाल की घटना ने दुबारा यह दिखाया कि ‘ईसाई धर्म विदेशी है’ का नारा आरएसएस का ही है। उसका ईसाइयों और मुसलमानों के खिलाफ रवैया पिछले करीब एक दशक से और कटु होता गया है। संघ की राजनैतिक शाखा लगभग 12 सालों से केंद्र की सत्ता पर काबिज है। हाल में ईसाईयों की प्रार्थनासभाओं पर हमले की घटनाओं में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। मुसलमानों का किस हद तक हाशियाकरण हो चुका है, यह इस बात से जाहिर है कि आरएसएस की राजनैतिक संतान भाजपा के कुल मिलाकर 1000 से अधिक सांसद एवं विधायक हैं मगर उनमें से एक भी आरएसएस का ही है। उसका ईसाइयों के प्रति समानता का भाव रखने के भागवत के दावे की हकीकत। सन् 2025 में यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ), जो एक स्वतंत्र आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने युह सिफारिश की थी कि अमरीकी सरकार भारत को ‘विशेष रूप से चिंता करने योग्य’ राष्ट्र का दर्जा दे। यूएससीआईआरएफ ने यह सिफारिश भी की थी कि कुछ व्यक्तियों एवं आरएसएस सहित कुछ संस्थाओं पर लक्षित प्रतिबंध लगाए जाएं जिनमें उनकी संपत्तियों को फ्रीज करना और अमरीका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना शामिल हो। सबसे हालिया घटनाक्रम में

यूएससीआईआरएफ ने भागवत और आरएसएस के अन्य नेताओं के साथ उच्चाधिकारियों की मुलाकातों और उन्हें राजनयिक शिष्टाचार उपलब्ध कराए जाने के खिलाफ आवाह किया। कई मानवाधिकार संगठनों ने भी अमरीका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मांग की कि भागवत का अमरीका का वीजा निरस्त कर दिया जाए या उसे देने से इंकार कर दिया जाए। आरएसएस का आचरण हमेशा से विविधता का सम्मान करने के उसके दावे के एकदम खिलाफ रहा है। लेकिन भागवत बहुत चतुराई से अपनी संस्था की हकीकत छिपा गए। विविधता का सम्मान करने का मुखौटा सिर्फ दुनिया को भ्रमित करने का प्रयास, एक झंझा है। लेकिन क्या इंटरनेट के इस युग में और मानवाधिकारों को गंभीरता से लेने वाले इस दौर में दुनिया ये हकीकत छिपाकर रखना संभव हो सकेगा? जहां आरएसएस से संबद्ध 2,500 से अधिक संस्थाएं दुनिया भर में हैं वहीं केरेवान पत्रिका के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत से ऐसे अस्थेता और कार्यकर्ता हैं जो मुसलमानों, ईसाइयों, दलितों, महिलाओं और आदिवासियों की भारत में वास्तविक स्थिति से दुनिया को अवगत करा रहे हैं। ऐसा लगता है कि भागवत का मुख्य लक्ष्य विश्वव्यापी एकता को बढ़ावा देना नहीं बल्कि भारत में उसके द्वारा किए गए भयावह कार्यों पर पर्दा डालना है। धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्र प्रेस, भूख और प्रसन्नता संबंधी वैश्विक सूचकांकों पर भारत की स्थिति में अमरीका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना दूसरे के समानत हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में सबमर्सिबल पंप चलाते समय युवक को लगा करंट



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के मुडैरी गांव में रविवार सुबह सबमर्सिबल पंप चलाते समय 30 वर्षीय युवक को करंट लग गया। हादसे में महेन्द्र साहू पिता कल्लू साहू की मौत हो गई। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पानी भरने के लिए पंप चला रहे थे: मृतक के साले जगदीश साहू ने बताया कि महेंद्र सुबह नहाने के बाद घर में पानी लेने के लिए सबमर्सिबल पंप चला रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें करंट लग गया। हालात बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

चिप्स बेचकर परिवार का करते थे गुजारा: परिजनों के अनुसार, महेंद्र घर पर चिप्स बनाते थे और गांव-गांव फेरी लगाकर बेचते थे। इसी काम से होने वाली कमाई से वे परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना के बाद परिवार में मातम है।

सीहोर में 24 घंटे में 1 इंच बारिश :जिले में सीजन में 31.40 इंच वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। इससे नदी-नाले और जलस्रोत लबालब हो गए हैं। रविवार को जिले में औसत एक इंच बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश सीहोर वर्षामापी केंद्र पर हुई, जहां 2.08 इंच पानी बरसा। इसके अलावा श्यामपुर में 1.37 इंच, इछावर में 1.02 इंच, बुधनी और जावर में 0.98-0.98 इंच, रेहटी में 0.76 इंच, आष्ट्य में 0.55 इंच और भैरूदा में 0.27 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

अगले 48 घंटों में भारी बारिश हो सकती है: मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे इलाकों के ऊपर एक लोप्रेशर एरिया और मानसूनी ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसी मौसमी सिस्टम के कारण जिले में नमी आ रही है और तेज बारिश का दौर जारी है।

बनते ही धंसने लगा नया फोरलेनः उधड़ी सड़क पर टोल का बोझ

सागर,एजेसी। भोपाल से कानपुर को जोड़ने वाले 4290 करोड़ के अनुसूचित, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे इलाकों के ऊपर एक लोप्रेशर एरिया और मानसूनी ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसी मौसमी सिस्टम के कारण जिले में नमी आ रही है और तेज बारिश का दौर जारी है।

तीन महीने में तीन बड़े मामले: जूनः सरावन और इमलीखेड़ा के बीच भारी साइड बोर्ड गिरने से दो घंटे यातायात ठप रहा। जुलाईः बीला गांव के पास सड़क का करीब 50 फीट लंबा हिस्सा बारिश में धंस गया। सितंबरः पटानवली घाटी में नवनिर्मित ओवरब्रिज की रेटिंग वॉल बही।

मंदसौर में तेज बारिश, गरोठ में 73.2 मिमी पानी बरसा

● सीजनमें अब तक 24.70 इंच पानी गिरा, पिछले साल से 7.26 इंच कम

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में गुरुवार दोपहर से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार और शनिवार को भी जारी रहा। जिला मुख्यालय समेत ज्यादातर इलाकों में कहीं तेज तो कहीं रुक-रुककर बारिश हुई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शनिवार को जिले के 11 वर्षामापी केंद्रों पर कुल 303 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि जिले की औसत बारिश 27.5 मिमी यानी 1.08 इंच रही। गरोठ में सबसे ज्यादा 73.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

गरोठ में सबसे ज्यादा 73.2 मिमी बारिश: शनिवार को गरोठ में 73.2 मिमी, शामागढ़ में 58.4 मिमी, भानपुरा में 44.2 मिमी और सुवासरा में 34.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।



सीतामऊ में 19.6 मिमी, संजीत और धुंधड़का में 18-18 मिमी, मंदसौर में 14 मिमी, मल्हारगढ़ और कयामपुर में 10-10 मिमी और भावगढ़ में 3 मिमी बारिश हुई।

सीजन में अब तक 627.4 मिमी औसत बारिश: 1 जून से 5 सितंबर तक जिले में कुल 6902 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। जिले की औसत बारिश 627.4 मिमी यानी 24.70 इंच है। पिछले साल इसी अवधि में औसत बारिश 811.7 मिमी यानी 31.96 इंच हो चुकी थी। इस साल अब तक पिछले साल की तुलना में 184.3 मिमी यानी करीब 7.26 इंच कम बारिश हुई है।

बारिश का आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले करीब 23 प्रतिशत कम है। सीजन में अब तक धुंधड़का में सबसे ज्यादा 756 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके बाद गरोठ में 723.2 मिमी, भानपुरा में 695.6 मिमी, शामागढ़ में 673.2 मिमी और सुवासरा में 642.9 मिमी बारिश हुई है।

► 7 सितंबर तक बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार जिले में 7 सितंबर तक बारिश का दौर बना रह सकता है। 6 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 7 सितंबर को भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 8 और 9 सितंबर को बारिश की गतिविधियों में कमी आने और तापमान 30 से 31 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। 10 और 11 सितंबर को स्थानीय स्तर पर फिर हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

► मौसम बदलने से मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ें

बारिश और मौसम में बदलाव का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई दे रहा है। दिन में धूप, उमस और अचानक बारिश के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है। जिला अस्पताल में इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल फीवर, गले में संक्रमण, दस्त और पेट दर्द की शिकायत लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. आकाश चौधरी ने बताया कि मौसम बदलने के साथ संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल फीवर और गले के संक्रमण के मरीज सामने आ रहे हैं। दस्त और पेट दर्द की शिकायत वाले मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। उन्होंने लोगों को साफ और सुरक्षित पानी पीने, ताजा भोजन करने, मच्छरों से बचाव करने और मौसम के अनुसार कपड़े पहनने की सलाह दी है। बुखार दो-तीन दिन तक बना रहे तो चिकित्सकीय परामर्श लेने की भी सलाह दी गई है।

मुकाबले करीब 23 प्रतिशत कम है। सीजन में अब तक धुंधड़का में सबसे ज्यादा 756 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके बाद गरोठ में 723.2 मिमी, भानपुरा में 695.6 मिमी, शामागढ़ में 673.2 मिमी और सुवासरा में 642.9 मिमी बारिश हुई है।

सागर में फर्जी नायब तहसीलदार गिरफ्तार

आई-कार्ड-सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद, साथी की तलाश

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर सिविल लाइन पुलिस ने फर्जी नायब तहसीलदार बनकर लोगों को झांसा देने वाले आरोपी शिवम चतुर्वेदी निवासी गढ़ाकोटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से सीहोरा, जिला जबलपुर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं दंडाधिकारी कार्यालय का नायब तहसीलदार पद का फर्जी आई-कार्ड, सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस आरोपी के फरार साथी अमित की तलाश कर रही है।

बस में हुई मुलाकात, खुद को बताया नायब तहसीलदार: एफआईआर के अनुसार, आरोपी शिवम की मुलाकात प्रबल सिंह ठाकुर निवासी तिली के पिता से भोपाल से सागर आते समय बस में हुई थी। शिवम ने अपना नाम शिवम तिवारी बताया और कहा कि उसने इनकम टैक्स ऑफिसर की नौकरी छोड़कर सीहोरा में नायब तहसीलदार की नौकरी जॉइन की है। इसके बाद उसने शासकीय काम के लिए गाड़ी की जरूरत बताकर फरियादी को झांसे में लिया।

5 साल के लिए 1.05 लाख रुपए महीने में ली बोलेंगे: आरोपी की बातों में आकर फरियादी ने 17



अगस्त 2026 को नई बोलेंगे खरीदी। गाड़ी नंबर रुक् 15 र् 9934 को पांच साल के लिए हर महीने 1.05 लाख रुपए देने के फर्जी एग्रीमेंट पर आरोपी को सौंप दिया गया। आरोपी बोलेंगे पर हूटर और नायब तहसीलदार की नेमप्लेट लगाकर घूम रहा था। बाद में फरियादी को उसके बयानों पर संदेह हुआ। 4 सितंबर को उसने आरोपी से वरिष्ठ अधिकारियों से बात कराने और मूल दस्तावेज दिखाने को कहा।

फर्जी आई-कार्ड सामने आया तो गाड़ी छोड़कर भागा: आरोपी अपने साथी अमित के साथ पहुंचा।

कड़ाई से पूछताछ करने पर जब उससे दस्तावेज मांगे गए तो फर्जी आई-कार्ड सामने आ गया। इसके बाद आरोपी फोने पर बात करने का बहाना बनाकर मौके से भाग निकला और बोलेंगे वहीं छोड़ गया। शिकायत के बाद सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उसके साथी अमित की तलाश कर रही है। मामले का जल्द खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

पहले भी ठगी के मामले में पकड़ा जा चुका है आरोपी: पुलिस के अनुसार, आरोपी शिवम पहले भी इसी तरह की वारदातों में पकड़ा जा चुका है। करीब एक साल पहले ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने सागर के चार युवकों के एक गिरोह को पकड़ा था।

गिरोह हाईवे पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर अवैध वसूली करता था और बेरोजगार युवाओं को पुलिस में भर्ती करने का झांसा देकर ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक, उस गिरोह का सरगना भी गढ़ाकोटा का शिवम चतुर्वेदी ही था। जेल से बाहर आने के बाद उसने ठगी के लिए नया तरीका अपनाया।

250 प्लॉटों में बारिश का पानी जमा, निकासी की व्यवस्था नहीं

रायसेन,एजेसी। शहर में बारिश के बाद खाली पड़े प्लॉट आसपास रहने वाले परिवारों के लिए मुसीबत बन गए हैं। लोगों ने प्लॉट खरीदे। वर्षों से भवन निर्माण नहीं कराया। नतीजा यह है कि शहर के 250 से अधिक खाली प्लॉटों में बारिश का पानी जमा है। कई जगह पानी इतना भर गया है कि खाली प्लॉट तालाब जैसे नजर आ रहे हैं। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। इनमें मच्छर पनप रहे हैं। अन्य जीव-जंतु भी बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी अशोक नगर और शिवोम नगर में है। यहां खाली प्लॉटों की संख्या ज्यादा है। कई जगह महीनों से पानी जमा है। रहवासियों का कहना है कि शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। पानी जमा रहने से जहरीले जीव-जंतुओं के घरों तक पहुंचने का खतरा भी बना रहता है।

गुरुदेव के सान्निध्य में श्री जी इंटरनेशनल स्कूल का भव्य आयोजन

तीन हजार से अधिक लोग हुए शामिल, विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मीडिया ऑडीटर,ग्वालियर (निप्र)। देवधाम सिरसा, घाटीगांव स्थित श्री जी इंटरनेशनल स्कूल में परम पूज्य संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री शीलतदास जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, अधिभावकों और क्षेत्रवासियों सहित तीन हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा और संस्कार को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध करना रहा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों और दर्शकों ने खुब सराहा।

संतों के आशीर्वाचन से आयोजन



को मिली गरिमा: कार्यक्रम में संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री शांतिदास जी महाराज तथा संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री दीनबन्धुदास जी महाराज, कन्ह सरकार सहित अनेक संत-महात्माओं की उपस्थिति रही। संतों के आशीर्वाचन से कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं गरिमामय स्वरूप मिला इस अवसर पर पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर सुमन गुर्जर, थाना प्रभारी मुगर अनीता गुर्जर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह धौया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डायरेक्टर बहादुर सर का पनाया जन्मदिन: कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के

डायरेक्टर बहादुर सर का जन्मदिन भी संत-महात्माओं, अतिथियों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों की मौजूदगी में मनाया गया। उन्होंने सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार जताते हुए कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद और क्षेत्रवासियों का विश्वास उन्हें शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने को प्रेरणा देता है आयोजन को सफल बनाने में प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, आयोजन समिति और स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां तैयार कराने में शिक्षकों के परिश्रम की भी अतिथियों ने सराहना की। व्यवस्थाओं में सहयोग देने वाले पूर्व थाना प्रभारी रतिराम गुर्जर, पूर्व शिक्षक निहाल सिंह धौया, रामचित्र ठेकेदार एवं शिक्षक फतेह सिंह गुर्जर का विद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन संत-महात्माओं के आशीर्वाद और आर्गुतुर्कों के प्रति धन्यवाद के साथ हुआ।

रतलाम में आग से झुलसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मौत

पांच दिन पहले 16 साल की बेटी ने तोड़ा दम, ई-स्कूटी में विस्फोट से घर में लगी थी आग

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम की विंध्यावासिनी कालीनी में 19 अगस्त की रात एक घर के अंदर रखी ई-स्कूटी में विस्फोट से लगी आग में 16 साल की बेटी की मौत के पांच दिन बाद शनिवार को मां ने भी दम तोड़ दिया। मां का भी इंदौर में उपचार चल रहा था। आग से घर का सारा सामान जल कर राख हो गया था। उसी में मां व बेटी झुलसे थे।

आंखें खुली तो चारों तरफ आग फैली थी: विंध्यावासिनी कालीनी में रहने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिंदुकुंवर (36), उनकी छोटी बेटी अंतिम (16) और बड़ी बेटी विजय लक्ष्मी कमरे में सो रही थीं। अचानक धुएं और घबराहट के कारण जब उनकी आंखें खुली तो चारों तरफ आग फैली थी। शोर मचाने पर पड़ोसियों ने प्रयासकत के बाद मां और दोनों बेटियों को घर से बाहर निकाला।



हादसे में बड़ी बेटी विजय लक्ष्मी बाल-बाल बच गई थी, जबकि मां बिंदुकुंवर व छोटी बेटी अंतिम झुलस गई थीं। जिन्हें रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को इंदौर के एमबाय हॉस्पिटल में रेफर किया था।

पांच दिन पहले बिगड़ी तबीयत: सोमवार रात मां व बेटी की तबीयत खराब होने पर इंदौर के एमबाय हॉस्पिटल से प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया था।

● मां करती थी देखभाल

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिंदु कुंवर घर में अपनी दोनों बेटों के साथ रहती थीं। पति का काफी समय पहले तलाक हो चुका है। मां ही दोनों बेटियों की देखभाल करती थीं। मृतिका की मां रावटी के पास तंबोलिया गांव में शुरू से अपने मामा के यहां रही थीं। इस कारण बेटी के शव को तंबोलिया गांव ले जाकर अंतिम संस्कार किया था। शनिवार शाम 4 बजे इंदौर में मां की मौत हो गई। परिजन मां का शव लेकर तंबोलिया गांव जाएंगे। रविवार को अंतिम संस्कार होगा।

● स्कूटी समेत पूरी सामान जला था

घर में लगी आग इतनी विकराल थी कि घर के पूरे सामान को चपेट में ले लिया था। यहां तक स्कूटी भी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। घर में लगे पंखे, कुलर, पौबीसी की छत पूरी तरह से पिघल गई थी। जिस कमरे में आग लगी थी वहां पर ई-स्कूटी रखी थी। जिसे हादसे के 10 दिन पहले 85 हजार रुपए में खरीदना परिजनों ने बताया था। परिजनों का उस समय कहना था कि ई-स्कूटी चार्जिंग में नहीं लगी थी। लेकिन सुबह 4 बजे स्कूटी की बैटरी में विस्फोट हुआ था।

जहां अगले दिन सुबह बेटी की मौत हो गई थी। जबकि मां आईसीयू में एडमिट थी। मां को बेटी की मौत की जानकारी नहीं दी गई थी।

पिपरिया में सूने मकान से डेढ़ लाख के जेवर चोरी

चोर 40 हजार नकदी भी ले गए, अलमारी के तोड़े लॉकर

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के इतवारा बाजार स्थित जयप्रकाश वार्ड में एक सूने मकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर ताला तोड़ घर से जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। मकान मालिक शनिवार शाम घर लौटे तब पुलिस को इसकी सूचना दी है। मकान मालिक मनीष कुमार ने डायल-112 पर चोरी की सूचना दी।

उन्होंने बताया कि वे परिवार के साथ घर में ताला लगाकर बाहर गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे जब वे घर लौटे, तो उन्हें चोरी का पता चला। घर के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था।

मनीष कुमार के अनुसार, चोर करीब डेढ़ लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और 40 हजार रुपये नकद ले गए हैं। चोरों ने पूरे घर की तलाशी ली और गोदरेज भी खोल दिया था। मनीष ने यह भी बताया कि उनके बाजू से उनके भाई का घर भी मंगलवार से बंद है।

उन्के लौटने पर ही पता चलेंगा कि उनके घर में चोरी हुई है या नहीं। सूचना मिलते ही डायल-



112 और स्टेशन रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। चोरी से जुड़े सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। स्टेशन रोड थाना प्रभारी मदन पवार ने बताया कि फरियादी ने आवेदन दिया है। वे आज घटनास्थल का दौरा कर फरियादी के बयान दर्ज करेंगे। पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालेगी और चोरों को पकड़ने के प्रयास तेज करेंगी।

दो कारों की मामूली टक्कर के बाद विवाद, शोरूम मैनेजर पर चाबी छीनने का आरोप



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में दो कारों की मामूली टक्कर के बाद विवाद हो गया इलाज करने बिलासपुर आई 65 वर्षीय महिला नूरजहां ने आरोप लगाया कि हदसे के बाद महिंद्रा शोरूम के मैनेजर रहल घोषाल ने उनकी स्कॉर्पियो की चाबी छीन ली महिला के मुताबिक उनके परिवार के सदस्यों को करीब 3 से 4 घंटे तक शोरूम में बैठाकर रखा गया इस दौरान दुर्घ्यवहार और अश्लील शब्दों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाज कराने बिलासपुर आई थी महिला गरियाबंद निवासी नूरजहां 4 सितंबर को अपनी बहु शमा आफरीन, बेटे मोहम्मद कसीम खान और वाहन चालक चंद्रशेखर देवांगन के साथ स्कॉर्पियो से बिलासपुर आई थीं वे शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज कराने पहुंची थीं वापस लौटते समय जय दुर्गा चौक के पास यह

घटना हुई परिवार के मुताबिक आगे चल रही महिंद्रा ईवी कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगाया इसके चलते पीछे चल रही स्कॉर्पियो उससे टकरा गई। दोनों वाहनों में मामूली नुकसान हुआ, जबकि हदसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है हदसे के बाद दूसरी कार में सवार लोग स्कॉर्पियो को महिंद्रा शोरूम के सामने ले गए नूरजहां का आरोप है कि शोरूम मैनेजर ने उनकी कार की चाबी अपने पास रख ली इसके बाद परिवार के सदस्यों को कई घंटे तक शोरूम में बैठाए रखा गया परिवार ने परेशान होकर 112 पर पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को थाने ले गई दो धाराओं में केस दर्ज सिरगिट्टी पुलिस ने शिकायत के आधार पर शोरूम मैनेजर रहल घोषाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 और 127(2) के तहत मामला दर्ज किया है पुलिस दोनों पक्षों से पुष्टाछा कर घटनाक्रम की जांच कर रही है।

14 साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, मध्यप्रदेश से पकड़ा जनकपुर पुलिस की कार्रवाई नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोप

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जनकपुर पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में करीब 14 साल से फरार चल रहे आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है पुलिस टीम ने आरोपी वीर सिंह सिंसोदिया उर्फ वीरू को पन्ना जिले के गुनौर से पकड़ा आरोपी गुनौर क्षेत्र के देवेंद्र नगर बड़गारा का निवासी बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से रिमांड मिलने पर उसे मनेन्द्रगढ़ उप जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार, वर्ष 2012 में जनकपुर थाने में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में अज्ञात व्यक्ति पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने



मामले में धारा 363 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग को 27 नवंबर 2014 को बरामद कर लिया था। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग ने अपने बयान में वीर सिंह सिंसोदिया उर्फ वीरू पर शादी का झांसा देकर उसे गुनौर ले जाने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। इसके बाद मामले में धारा 366(क), 376 भादवि के साथ पॉक्सो एक्ट की



धारा 4 एवं 6 जोड़ी गई मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका लंबे समय से फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। आईजी सरगुजा रेंज दीपक झा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल



विश्वकर्मा और एसडीओपी अरविंद खलखो के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने पन्ना जिले के गुनौर पहुंचकर आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया न्यायालय से रिमांड मिलने पर उसे मनेन्द्रगढ़ उप जेल भेज दिया गया।

तेज बहाव में बहा 21 वर्षीय युवक, दो दिन बाद मिला शव रपटा पार करते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। सिरसौद थाना क्षेत्र के सिकराउडा गांव में शुक्रवार को नदी के तेज बहाव में बहे 21 वर्षीय युवक का शव दो दिन बाद रविवार सुबह बरामद किया गया। मृतक की पहचान राम पुत्र गुजु रावत के रूप में हुई है वह शुक्रवार को गांव में रपटा पार करते समय अचानक नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया था घटना के बाद पुलिस और एसडीआईआरएफ की टीम ने सर्वे ऑपरेशन शुरू किया था जानकारी के अनुसार राम शुक्रवार दोपहर सिकराउडा गांव में रपटा पार कर रहा था। इसी दौरान नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ा गया और वह पानी में बह गया आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी इसके बाद पुलिस और

एसडीआईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में युवक की तलाश शुरू की एसडीआईआरएफ की टीम ने शनिवार सुबह से देर शाम तक नदी में युवक की तलाश की। नदी का बहाव तेज होने के कारण रेस्क्यू टीम को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा लगातार तलाश के बावजूद शनिवार तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका घटना की जानकारी मिलने के बाद पोहोरी विधायक कैलाश कुशवाह भी मौके पर पहुंचे और रात में अंशु राम शुक्रवार अभियान की जानकारी ली रविवार सुबह नदी का जलस्तर कुछ कम हुआ इसी कारण ग्रामीणों को घटनास्थल से करीब छेड़ किलोमीटर दूर गहलोनी के पास नदी किनारे एक शव दिखाई दिया ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।

पत्नी ने शराब के पैसे नहीं दिए तो 125 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पति बेमेतरा के बदनारा गांव में करीब 3 घंटे चला ड्रामा, पुलिस की समझाइश के बाद सुरक्षित नीचे उतरा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के नांदघाट थाना क्षेत्र के बदनारा गांव में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक करीब 125 फीट ऊंचे बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया बताया जा रहा है कि युवक ने पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे, लेकिन पत्नी ने पैसे देने से इनकार कर दिया इससे नाराज होकर वह घर से निकल गया और गांव में लगे टावर पर चढ़ गया करीब तीन घंटे तक रहने के बाद पुलिस को इसकी जानकारी मिली पुलिस की समझाइश से युवक सुरक्षित नीचे उतर आया जानकारी के अनुसार बदनारा निवासी सुरेश जोशी खेती-किसानी करता है। शनिवार शाम उसने पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पत्नी के इनकार करने पर वह



नाराज हो गया और शाम करीब 7 बजे गांव में स्थित बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया कुछ ही देर में ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों ने युवक को नीचे उतरने के लिए समझाया, लेकिन वह काफी देर तक टावर पर ही बैठा रहा सूचना मिलने पर नांदघाट पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक से

बातचीत शुरू की पुलिस और ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक उसे समझाया इसके बाद युवक नीचे आने के लिए तैयार हुआ और उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया गया नांदघाट थाना प्रभारी लेखराम ठाकुर के मुताबिक युवक शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच टावर पर चढ़ा था। काफी देर तक समझाइश के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया गया

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का ‘चीनी सत्याग्रह’, राहगीरों को बांटी एक-एक चम्मच चीनी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। बड़ौता महंगाई और चीनी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में चीनी सत्याग्रह किया राहगीरों को प्रतीकात्मक रूप से एक-एक चम्मच चीनी वितरित की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि खर्चों को संतुलित करने में बड़ौतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने सरकार से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने और आम जनता को राहत देने की मांग की कार्यकर्ताओं



दबाव बढ़ रहा है रसोई का बजट प्रभावित होने से लोगों को घरेलू खर्चों को संतुलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

महंगाई पर नियंत्रण की मांग: प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि जरूरी खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में बड़ौतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है कांग्रेस पदाधिकारियों ने सरकार से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने और आम जनता को राहत देने की मांग की कार्यकर्ताओं



ने कहा कि चीनी सत्याग्रह के माध्यम से महंगाई के मुद्दे को प्रतीकात्मक तरीके से जनता के सामने रखा गया है। एक चम्मच चीनी का वितरण यह संदेश देने का प्रयास था कि बढ़ती कीमतों के कारण सामान्य परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

जनहित के मुद्दों पर अंदोलन जारी रखने का ऐलान: कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महंगाई केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन और घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़ा विषय है। सरकार को जनता की पेशानियों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के

लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए उन्होंने कहा कि जब तक आम लोगों को महंगाई से राहत नहीं मिलती तब तक कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी राजीव गांधी चौक पर हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर महंगाई कम करने की मांग दोहराई।

12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लगेगी लोक अदालत, विद्युत बकाया के 101 प्रकरणों का होगा निराकरण



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं सुलहपूर्ण निराकरण के लिए आगामी 12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस संबंध में आज मनेन्द्रगढ़ में आयोजित बैठक में आवश्यक निर्णय लिया गया। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ विद्युत बकाया से जुड़े मामलों में भी संबंधित उपभोक्ताओं को समझौते एवं राजीनामे के आधार पर प्रकरण समाप्त करने का अवसर मिलेगा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के

मनेन्द्रगढ़ संभाग द्वारा विद्युत बकाया राशि की वसूली एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कुल 101 विद्युत बकाया प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए जा रहे हैं इन प्रकरणों में लगभग 29.07 लाख रुपये की बकाया राशि शामिल है मनेन्द्रगढ़ संभाग के अंतर्गत केल्लहारी वितरण केन्द्र के 35 सिंक्रिय विद्युत उपभोक्ताओं पर लगभग 10.50 लाख रुपये

संबंधित उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत देयकों के भुगतान के लिए राजीनामा एवं समझौते का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। पात्र मामलों में बकाया राशि का किस्तों में भुगतान किए जाने की व्यवस्था के माध्यम से उपभोक्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार लंबित राशि जमा करने का अवसर मिलेगा। इससे लंबे समय से लंबित विद्युत बकाया प्रकरणों का सुलह पूर्ण



निराकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी बैठक में अधिकारियों ने लोक अदालत के आयोजन को प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों को प्रकरणों की जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने तथा पक्षकारों को लोक अदालत

के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया विद्युत वितरण कंपनी ने संबंधित बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 12 सितम्बर को आयोजित लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने बकाया विद्युत प्रकरणों का निराकरण कराएं और उपलब्ध समझौता अवसर का लाभ उठाएं बैठक में इंदिरा मिश्रा, अनुविभागीय

चार दिन में 6.65 इंच बारिश, मड़ीखेड़ा डैम 92' भरा लगातार बारिश से बढ़ी पानी की आवक चार गेट खोलकर करीब 950 क्यूमेक्स पानी की निकासी जारी

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में पिछले चार दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। इसके चलते जलस्रोतों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है 3 सितंबर को जिले की औसत बारिश 701.52 मिमी थी जो 6 सितंबर तक बढ़कर 870.53 मिमी पहुंच गई इस तरह चार दिनों में जिले में औसतन 169.01 मिमी पानी करीब 6.65 इंच बारिश दर्ज की गई है भू-अभिलेख विभाग के अनुसार शिवपुरी जिले की सामान्य वार्षिक औसत वर्षा 816.3 मिमी है इस सीजन में अब तक 870.53 मिमी बारिश हो चुकी है जो सामान्य औसत से 54.23 मिमी अधिक है तहसीलवार आंकड़ों में बदरवास में सबसे अधिक 951.50 मिमी और पिछोर में 934 मिमी बारिश दर्ज हुई है शिवपुरी में 899.80, बैराड़ में 878, पोहरी में 859, नरवर में 881, करैरा में 895.10, कोलारस में 747.90 और खनियाधाना में 788.50 मिमी बारिश दर्ज की गई है लगातार बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक बढ़ने के कारण सिंध परियोजना का अटल सागर मड़ीखेड़ा डैम तेजी से भर रहा है रविवार सुबह 8 बजे डैम का जलस्तर 345.30 मीटर दर्ज किया गया



जबकि इसका पूर्ण भराव स्तर 346.25 मीटर है डैम में 769.19 एमसीएम पानी उपलब्ध है जो इसकी कुल क्षमता का 92.14 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में डैम में औसतन 1149.94 क्यूमेक्स पानी की आवक दर्ज की गई बढ़ती आवक को देखते हुए डैम के चार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। सुबह 7:30 बजे गेट नंबर 5 और 6 को एक-एक मीटर तथा गेट नंबर 4 और 7 को 0.5-0.5 मीटर खोला गया था इसके अलावा पावर हाउस से 135.42 क्यूमेक्स और उकायला की ओर 5 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा था। सुबह 8 बजे डैम से

कुल आउटफ्लो करीब 950.06 क्यूमेक्स दर्ज किया गया 6 सितंबर 2025 को मड़ीखेड़ा डैम का जलस्तर 345.90 मीटर और जलभराव 97.09 प्रतिशत था उस समय डैम में 810.56 एमसीएम पानी था इस साल इसी अवधि में करीब 41.37 एमसीएम कम पानी है जिले में भी पिछले साल 6 सितंबर तक 1371.52 मिमी औसत बारिश दर्ज हुई थी लगातार बारिश और करीब 1150 क्यूमेक्स पानी की आवक को देखते हुए सिंध परियोजना क्षेत्र में डैम के जलस्तर और पानी की आवक पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

30 सेकंड में स्पोर्ट्स बाइक चोरी CCTV में कैद हुई वारदात

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के जुमेराती रजा मोहल्ला क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी स्पोर्ट्स बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है चोर ने महज करीब 30 सेकंड में बाइक का लॉक खोलकर उसे चोरी कर लिया पूरी वारदात पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई रविवार सुबह बाइक चोरी होने का पता चलने के बाद वाहन मालिक ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है CCTV फुटेज के मुताबिक, रात करीब 1:43 बजे एक युवक फेदल सरपन चौक की ओर से आता दिखाई देता है वह रजा मोहल्ला पहुंचकर जेब से चाबी निकलता है और कुछ ही सेकंड में बाइक का लॉक खोल देता है इसके बाद वह बाइक को कुछ दूरी तक धकेलता है और फिर उसे स्टार्ट कर

मौके से निकल जाता है फुटेज में आरोपी सरपन चौक से सेंट्रल बैंक के पास पहुंचता और वहां से गलियों के रास्ते बोहय मस्जिद होते हुए रजा मोहल्ला की ओर आता दिखाई दे रहा है बाइक चोरी करने के बाद वह मेन बोर्ड स्कूल की तरफ निकल गया स्थानीय लोगों के अनुसार रजा मोहल्ला क्षेत्र में पिछले छह महीने में बाइक चोरी की यह तीसरी घटना है लगातार हो रही चोरी की वारदातों से रहवासियों में नाराजगी है और क्षेत्र में पुलिस गस्त बढ़ाने की मांग की जा रही है बाइक मालिक अधिवक्ता प्रखर रावत ने बताया कि उन्होंने रात में बाइक घर के सामने खड़ी की थी सुबह उठने पर बाइक गायब मिली इसके बाद CCTV फुटेज देखने पर चोरी की जानकारी हुई दोपहर में कोतवाली थाने पहुंचकर शिकयत दर्ज कराई।

आयरलैंड की स्टार ऑलराउंडर ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेसी। आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर अलीन केली ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ वॉसेस्टर में मुकाबले के बाद उन्होंने अपने करीब साढ़े चार साल लंबे इंटरनेशनल करियर को अलविदा कह दिया। 32 वर्षीय केली मूल रूप से न्यूजीलैंड की रहने वाली हैं और 2022 में आयरिश पासपोर्ट हासिल करने के बाद आयरलैंड आई थीं।

● घरेलू क्रिकेट से इंटरनेशनल टीम तक का सफर-अलीन केली शुरुआत में घरेलू क्रिकेट का अनुभव लेने के लिए आयरलैंड पहुंची थीं। हालांकि, उनके प्रदर्शन ने जल्द ही उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के दरवाजे तक पहुंचा दिया। केली ने घरेलू क्रिकेट में अपने शुरुआती दौर में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 रन बनाए और 3/35 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके कुछ ही सप्ताह बाद उन्हें आयरलैंड की टीम में जगह मिल गई।

● डेब्यू मैच में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया धमाका-केली ने 3 जून 2022 को पेम्ब्रोक् क्रिकेट क्लब में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आयरलैंड के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया। अपने पहले ही मुकाबले में उन्होंने 2/25 का शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच में आयरलैंड ने उस समय की वर्ल्ड कप रनर-अप दक्षिण अफ्रीका को 10 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद केली आयरलैंड की टीम का लगातार अहम हिस्सा बन गईं।

● 117 में से 110 मैचों में किया आयरलैंड का प्रतिनिधित्व इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखने के बाद केली ने अपनी निरंतरता और भरोसेमंद प्रदर्शन से टीम में खास जगह बनाई। उन्होंने डेब्यू के बाद से आयरलैंड महिला टीम के 117 में से 110 मुकाबलों में हिस्सा लिया। मीडियम पेस रिविंग गेंदबाज के तौर पर अपनी सटीक लाइन-लेंथ और निरंतरता के लिए पहचानी जाने वाली केली आयरलैंड की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रही।

● आयरलैंड की तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज अलीन केली अपने इंटरनेशनल करियर का अंत आयरलैंड की तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में कर रही हैं। उनसे आगे इस सूची में इसोबेल जॉन्स और लॉरा डेलानी हैं। उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/12 रहा, जो उन्होंने 2023 में नीदरलैंड्स के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में हासिल किया था।

भारतीय महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से रौंदा, लगातार दूसरी जीत के साथ टॉप पर पहुंची



मोकी, चीन, एजेसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने AHF Junior Asia Cup 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। गत चैंपियन भारत ने रविवार को एलीट पूल के मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। दक्षिण कोरिया के खिलाफ 4-1 की जीत के बाद यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के साथ भारत ने 6 अंक हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया।

● भारत ने पहले ही मिनट से बनाया दबाव-भारत ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। पूजा साहू ने मैच के पहले ही मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद पूर्णिमा यादव ने चौथे मिनट में गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

● पहले क्वार्टर में भारत ने दागे बार गोल-भारतीय टीम का दबदबा यहीं नहीं रुका। आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने गोल कर भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

● हाफटाइम तक भारत 7-0 से आगे-दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने मलेशिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। पूर्णिमा यादव ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद सुखवीर कौर ने 21वें मिनट में गोल किया, जबकि गीता यादव ने 28वें मिनट में भारत के लिए सातवां गोल किया। मध्यंतर तक भारतीय टीम 7-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर में मलेशिया ने खोला खाता मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने गोल करके कुछ राहत दी और स्कोर 7-1 किया।

तिलक वर्मा ने वैभव सूर्यवंशी को किया स्लेज



नई दिल्ली, एजेसी। साउथ जोन के खिलाफ रिविwar को दिलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के ओपनर वैभव सूर्यवंशी एक और अर्धशतक बनाने के बहुत करीब पहुंच गए थे, लेकिन 44 रन पर आउट हो गए। आउट होने से पहले सूर्यवंशी और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा के बीच एक छोटी सी घटना हुई, जिसमें

तिलक ने 15 साल के बल्लेबाज को स्लेज किया। स्लेजिंग की घटना के कुछ ही देर बाद सूर्यवंशी को चामा वी मिलिंद ने आउट कर दिया। सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत जबरदस्त अंदाज में की और भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की भी जमकर धुनाई की। सामने आए एक वीडियो में तिलक को यह कहते हुए

सुना जा सकता है, 'क्या यार ये वाइस-कैप्टन' हालांकि, स्लेजिंग की कोशिश बहुत गंभीर नहीं लग रही थी, क्योंकि घटना के कुछ ही देर बाद दोनों को हंसते हुए देखा गया। फिर भी, इंटरनेट पर फैन्स तिलक के किशोर वैभव के खिलाफ ऐसी रणनीति अपनाने से खुश नहीं थे। जहां सूर्यवंशी अर्धशतक से चूक गए, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर अभिमन्यु ईश्वरन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने 86 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 72 रन बनाए। सूर्यवंशी ने भी आउट होने से पहले 5 चौके और एक छक्का लगाया। ऐसा लगा कि ईश्वरन बीच में सूर्यवंशी के स्ट्रोक प्ले से प्रभावित हुए और 72 रन पर रन आउट होने से पहले उन्होंने भी आक्रामक अंदाज अपनाया।

इससे पहले सेमीफाइनल में सूर्यवंशी ने दिलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बनकर 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। वह शतक बनाने के भी करीब पहुंच गए थे, लेकिन 81 गेंदों में 92 रन पर आउट हो गए। सेमीफाइनल की दूसरी पारी में उन्होंने 42 गेंदों में 40 रन बनाए।

रुमेश थरंगा ने जैवलिन थ्रो का खिताब जीतकर रचा इतिहास

ब्रुसेल्स, एजेसी। रुमेश थरंगा पथिरागे ने डायमंड लीग फाइनल 2026 में पुरुषों का जैवलिन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर एक शानदार सीजन का समापन किया और यह खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने किंग बॉडीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तीसरे राउंड में 89.04 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया और पोलैंड के डेविड वेनर से आगे रहे, जिन्होंने 87.47 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोन वालकॉट ने सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ 83.99 मीटर के थ्रो के साथ पोलैंड के अपने सर्वश्रेष्ठ 83.99 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। रुमेश थरंगा की शुरुआत उनके ऊंचे मानकों के हिसाब से धीमी रही।



उन्होंने 80.42 मीटर से शुरुआत की और फिर दूसरे प्रयास में 79.73 मीटर का थ्रो किया।

सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। रुमेश ने उसी राउंड में बाद में 89.04 मीटर का थ्रो करके जवाब दिया और प्रतियोगिता पर अपनी पकड़

बना ली। यह थ्रो अंततः खिताब जीतने के लिए काफी साबित हुआ। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने इसके बाद 85.96 मीटर और 85.76 मीटर के थ्रो किए, जबकि उनका अंतिम प्रयास फाउल हो गया। हालांकि, वेनर अपने तीसरे राउंड के स्कोर में सुधार नहीं कर सके, जिससे थरंगा ने 1.57 मीटर के अंतर से जीत हासिल की। रुमेश ने कहा, 'मैं सचमुच बहुत खुश हूँ। श्रीलंका जैसे छोटे देश से आकर, इस तरह की बड़ी प्रतियोगिता जीतना बहुत बड़ी बात है। सच कहूँ तो, आज मैं कोई बहुत बड़ा थ्रो नहीं कर पाया क्योंकि मौसम की स्थिति काफी मुश्किल थी - बहुत उड़ धूल... इसलिए मैं ज्यादा दूरी तक थ्रो नहीं कर सका।' पीटर्स के पांचवें प्रयास में 83.70 मीटर तक सुधार करने के बावजूद वालकॉट तीसरे स्थान पर बने रहे।

पोलैंड पर आखिरी जगह के लिए कैरिबियन के दो स्टार खिलाड़ियों के बीच केवल 29 सेंटीमीटर का फ़र्क रहा।

चीन से हारा भारत, तीनों सेट में दी कड़ी टक्कर



कि ताक् यूशू, एजेसी। जापान के किताक् यूशू में खेले जा रहे Asian Mens Volleyball Championship में भारत ने अपने अभियान की शुरुआत हार के साथ की। पूल बी के मुकाबले में तीन बार के चैंपियन चीन ने भारत को सीधे तीन सेटों में 25-21, 28-26, 27-25 से हराया। हालांकि भारत ने दूसरे और तीसरे सेट में चीन को कड़ी टक्कर दी।

पहले सेट में चीन ने बनाई बढ़त-भारत को पहले सेट में 21-25 से हार का सामना करना पड़ा। चीन ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और मामूली अंतर से पहला सेट अपने

नाम किया। इसके बाद भारतीय टीम ने शानदार वापसी की कोशिश की और अगले दोनों सेटों में मुकाबला लगभग बराबरी का रखा।

दूसरे और तीसरे सेट में रोमांचक मुकाबला-दूसरे सेट में भारत ने चीन को कड़ी चुनौती दी। मुकाबला 25 अंकों के बाद भी जारी रहा, लेकिन चीन ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सेट 28-26 से जीत लिया। तीसरे सेट में भी कहानी कुछ अलग नहीं रही। भारत ने लगातार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक मौकों पर चीन ने धैर्य बनाए रखा और 27-25 से सेट जीतकर मुकाबला 3-0 से अपने नाम कर लिया।

सेरुंडोलो ने किया बड़ा उलटफेर, टेलर फ्रिट्स को हराकर र ओपन से किया बाहर

न्यूयॉर्क, एजेसी। अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने बड़ा उलटफेर करते हुए नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर यूएस ओपन 2026 से बाहर कर दिया है। इस जीत के साथ ही सेरुंडोलो ने पहली बार यूएस ओपन के अंतिम-16 में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने यूएस ओपन में दो सेट की बढ़त गांवा दी और उन्हें तीसरे दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। यह दूसरी बार है जब फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अपने करियर में दो सेट से पिछड़ने के बाद कोई मैच जीतने में कामयाब रहे हैं। पांच सेटों वाला यह मुकाबला तीन घंटे 39 मिनट तक चला। अब चौथे दौर में सेरुंडोलो का सामना बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉकवस से होगा, जिन्होंने फ्रांस के फ्लेवियो कोबोली को हराया है।



भारत से करारी हार के बाद बोले टीम के मेंटर, पाकिस्तान अभी भी ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार

दुबई, एजेसी। दुबई में महिला एशिया कप के लीग-स्टेज मैच में भारत के हार्थो शर्मानाक हार के बाद पाकिस्तान टीम के मेंटर वहाब रियाज ने कहा कि उनकी टीम अभी भी ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। अपना 200वां ज़20दु मैच खेल रही पाकिस्तान की टीम लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती दिखी। भारत ने स्पिन गेंदबाजी से उन पर दबाव बनाया और उन्हें ज़20दु के सबसे कम स्कोर 55 रन पर ऑलआउट कर दिया। हालांकि कप्तान फातिमा सना (3/17) ने शुरुआती तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की ओर से संघर्ष किया, लेकिन भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखा और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हार के बाद रियाज ने पत्रकारों से कहा, मेरा मानना है कि हमारी टीम के सभी खिलाड़ी बहुत कुशल हैं और उन्हें बस खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। हमारा अगला मैच हांगकांग के खिलाफ है। हम वापस जाकर चर्चा करेंगे कि भारत के खिलाफ हमने क्या गलतियां कीं। हम वही गलतियां नहीं दोहराएंगे। मुझे अभी भी विश्वास है कि पाकिस्तान इस एशिया कप में ट्रॉफी जीतने के लिए सबसे अच्छी टीम है क्योंकि यहां के हालात हमारे अनुकूल हैं। पूर्व कप्तान सना मीर ने महिला एशिया कप भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखा और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हार के बाद रियाज ने पत्रकारों से कहा, मेरा मानना है कि हमारी टीम के सभी खिलाड़ी बहुत कुशल हैं और उन्हें बस खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। हमारा अगला मैच हांगकांग के खिलाफ है। हम वापस जाकर चर्चा करेंगे कि भारत के खिलाफ हमने क्या गलतियां कीं। हम वही गलतियां नहीं दोहराएंगे। मुझे अभी भी विश्वास है कि पाकिस्तान इस एशिया कप में ट्रॉफी जीतने के लिए सबसे अच्छी टीम है क्योंकि यहां के हालात हमारे अनुकूल हैं। पूर्व कप्तान सना मीर ने महिला एशिया कप भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी



मेस्सी की मदद से इंटर मियामी ने अटलांटा को बराबरी पर रोका



मियामी, एजेसी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है। मेस्सी ने शनिवार रात इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कार्लोस रोसो ने गोल किए। टीम इस्टर्न कॉन्फ्रेंस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10 अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कार्लोस रोसो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल अल्मिरो ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविया की ओर शानदार लॉफ़ेड पास खेला। सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यंतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया। मैच के 87वें मिनट में ब्रेल एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अटलांटा को फिर बराबरी दिला दी।

मिट्टी के कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बरसात के दिनों में टपकी खपरैल और सीलन भरी मिट्टी की दीवारें नारायणपुर नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 07 में रहने वाले 45 वर्षीय अमर सिंह उर्दूके का परिवार वर्षों से इन्हीं दुश्वारियों के बीच गुजर-बसर कर रहा था। सीमित आय के कारण अपने परिवार के लिए एक पक्का मकान बनाना अमर सिंह के लिए एक दूर की कोड़ी जैसा था। मौसम की हर मार परिवार की चिंता और असुरक्षा को बढ़ा देती थी, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने इस बेवसी को हमेशा के लिए खत्म कर दिया है। वार्ड शिविर से बदली किस्मत नारायणपुर जिले के नारायणपुर नगर पालिका परिषद के निवासी अमर सिंह के जीवन में नया मोड़ तब आया, जब उन्हें नगरपालिका द्वारा आयोजित एक वार्ड शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत नगरपालिका परिषद नारायणपुर कार्यालय पहुंचकर प्रक्रिया समझी और जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा कर दिया। योजना के तहत उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और उनके अपने पक्के घर का सपना साकार होने की दिशा में कदम बढ़ गए। 3.05 लाख रुपए की लागत से बना सपनों का घर योजना के तहत स्वीकृत 29 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अमर सिंह का सुंदर और सुरक्षित पक्का मकान बनकर तैयार हुआ है। इस आवास का निर्माण 3.05 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से हुआ है, जिसमें कंस्ट्रेंश 1.50 लाख रुपये, राज्यांश 0.76 लाख रुपये और हिस्साह्दी अंश 0.79 लाख रुपये शामिल है। मिला मानसिक सुकून और बेहतर भविष्य की मनबूत बुनियाद आज अमर सिंह उर्दूके अपने परिवार के साथ इस सुरक्षित आशियाने में रह रहे हैं। अब न तो उन्हें भारी बारिश का डर सताता है और न ही हर साल घर की मरम्मत की चिंता रहती है। पक्के मकान ने उनके परिवार को न केवल छत दी है, बल्कि सम्मान और मानसिक शांति के साथ जीने का नया हौसला भी दिया है।

सरकार प्रदेश के युवा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति संवेदनशील- उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत पढ़ रहे हजारों छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बेहद संवेदनशील और बड़ा निर्णय लिया है। प्रथम या द्वितीय सेमेस्टर के एक-दो प्रश्नपत्रों (पेपर्स) में असफल होने के कारण 5वें सेमेस्टर में प्रवेश से वंचित हो रहे छात्रों को अब सरकार ने बड़ी राहत देते हुए अंतरिम (Academic Year) प्रवेश देने की घोषणा की है। इस फैसले से हजारों छात्रों का शैक्षणिक वर्ष (।बकमउपब ल्यत) खराब होने से बच जाएगा। मामले की गंभीरता और युवाओं के हित को सर्वोपरि रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया है कि छद्म के क्रियान्वयन में आ रही किसी भी व्यावहारिक अड़चन को दूर करने के लिए सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है। मंत्री वर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग और हमारी सरकार प्रदेश के युवा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील है।

AI के युग में शिक्षक बनें विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की दें सीख : राज्यपाल डेका



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चर्चनित 64 शिक्षकों के नामों की घोषणा भी की। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका भी व्यापक हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस दौर में शिक्षकों और विद्यार्थियों का

नई तकनीकों से परिचित होना आवश्यक है, अनुरूप उपयोग है। उन्होंने कहा कि AI हमारा सहायक बने, हमारा नियंत्रक नहीं। शिक्षक विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों के

करने, नवाचार करने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करें। राज्यपाल डेका ने कहा कि आज गुगल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारे पास सूचनाओं का विशाल संसार उपलब्ध है। इसके बावजूद हमें यह ध्यान रखना होगा कि तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक विकास को प्रभावित न करे। दुनिया के अनेक देशों में विद्यार्थियों द्वारा स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है। तकनीक हमें जानकारी उपलब्ध करा सकती है, लेकिन संस्कार, संवेदना, अनुशासन, प्रेरणा और जीवन की सही दिशा गुप्त से ही मिलती है। इसलिए बदलते समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक, कोशल आधारित, बहुभाषी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। आने वाले समय में शिक्षा के स्वरूप में व्यापक

बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में शिक्षकों को निरंतर अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना होगा। साथ ही विद्यार्थियों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही विषय और करियर चुनने में मार्गदर्शन देना होगा। विद्यार्थियों की काउंसलिंग भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका का हिस्सा है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षण केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि एक महान और गरिमामय दायित्व है। शिक्षक अपने ज्ञान के साथ-साथ अपने आचरण से भी विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं।

बच्चे अपने शिक्षकों को आदर्श के रूप में देखते हैं, इसलिए शिक्षकों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निर्वहन करना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी कैसे आगे बढ़े, उसकी प्रतिभा कैसे निखरे और उसका भविष्य कैसे बेहतर बने, यह शिक्षक की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

नए आंगनबाड़ी भवन से बच्चों को मिला बेहतर सीखने का माहौल, कार्यकर्ताओं को भी मिली सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ बच्चों और माताओं के लिए बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिसरण से सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सपना के झोझया पारा धनगवां में 11.69 लाख रुपये की लागत से नया आंगनबाड़ी भवन निर्मित किया जा रहा है। इस भवन के निर्माण में 3.69 लाख रुपये महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिसरण से तथा 8 लाख रुपये वीबी-जी राम जी के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। नए भवन से आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को भी बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। किराये के भवन से नए भवन तक, बदली आंगनबाड़ी की तस्वीर पहले आंगनबाड़ी केंद्र किराये के भवन में संचालित होता था। सीमित स्थान के कारण बच्चों के लिए सीखने, खेलने और अन्य गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं थी। एक ही कमरे में भोजन तैयार करने और बच्चों को पढ़ाने का कार्य होने से कार्यकर्ताओं को भी व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब चार कमरों वाले नए भवन के



निर्माण से केंद्र की व्यवस्थाएं अधिक सुव्यवस्थित हो गई हैं। बच्चों के लिए पर्याप्त स्थान, आवश्यक मूलभूत सुविधाएं और आकर्षक दीवार चित्रों से सीखने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इससे बच्चे उत्साह के साथ आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच रहे हैं और खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का भी मिल रहा लाभ

आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों को गरम भोजन एवं रेडी-टु-ईट उपलब्ध कराया जा रहा है। गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को निर्धारित पोषण सामग्री प्रदान करने के साथ स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सुविधाजनक कार्यस्थल से कार्यकर्ताओं को मिली राहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला ने बताया कि पहले किराये के भवन में केवल एक कमरा होने के कारण भोजन बनाने, बच्चों को पढ़ाने और अन्य गतिविधियों को संचालित करने में परेशानी होती थी। नए भवन में पर्याप्त स्थान, अलग-अलग

महतारी वंदन योजना ने महिलाओं के आर्थिक आत्मविश्वास को दिया नया आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास का नया आधार बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। नियमित रूप से प्राप्त होने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं के साथ बच्चों की पढ़ाई और परिवार की घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दे रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम



पंचायत थोर निवासी कैलासपति भी महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत उन्हें हर माह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो रही है। इस प्रकार वर्षभर में उन्हें 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। नियमित रूप से मिलने वाली इस राशि से उन्हें अपनी छोटी-

बड़ी जरूरतों को पूरा करने में काफी सहाूलियत हो रही है। बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों में मिल रहा सहारा कैलासपति ने बताया कि सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पहले घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी कई बार सोच-विचार करना पड़ता था। बच्चों की पढ़ाई और घरेलू आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाना भी चुनौतीपूर्ण होता था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित सहायता ने इस स्थिति में उन्हें काफी राहत दी है। उन्होंने बताया कि अब वे योजना से प्राप्त राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं और घर-परिवार की जरूरी जरूरतों को पूरा करने में कर पा रही हैं।

विष्णु भैया के संबल से सुरक्षित मातृत्व की ओर बिंदु की नई राह, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मिला आर्थिक सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मातृत्व के दौरान महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं बेहतर देखभाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को निर्धारित शर्तों की पूर्ति पर आर्थिक सहायता दी जाती है, जिससे गर्भावस्था और प्रसव के बाद मां एवं बच्चे की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंझकला निवासी

श्रीमती बिंदु मानिकपुरी के लिए भी यह योजना मातृत्व काल में आर्थिक संबल का माध्यम बनी। उनके पति श्री गुलशन कुमार मानिकपुरी कृषि कार्य करते हैं। परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के बीच गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मिली सहायता ने परिवार को राहत प्रदान की। 5,000 रुपये की सहायता ने आसान की मातृत्व की राह बिंदु बताती हैं। कार्यकर्ता के मार्गदर्शन से उन्होंने योजना का लाभ प्राप्त किया और उन्हें कुल

5,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिली। उन्हें पहली किश्त के रूप में 3,000 रुपये प्राप्त हुए। इसके बाद प्रसव के पश्चात बच्चे का आवश्यक टीकाकरण पूर्ण होने पर 2,000 रुपये की दूसरी किश्त मिली। आर्थिक रूप से सीमित परिवार के लिए मातृत्व के इस महत्वपूर्ण दौर में मिली यह सहायता काफी उपयोगी साबित हुई। पौष्टिक आहार और बच्चे के भरण-पोषण में मिली मदद बिंदु ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने अपने और अपने बच्चे के खान-पान, पौष्टिक आहार तथा भरण-पोषण से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में किया।



दो दिन पहले ट्रैक्टर से सुकमा पहुंचे ग्रामीण, दो दिन बाद बाइक से गांव पहुंचे कलेक्टर-सीईओ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप मेटागुड़ा में लगी चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं पर मौके पर हुई त्वरित कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो तथा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही सुनिश्चित किया जाए। इसी मंशा के अनुरूप सुकमा जिले में प्रशासनिक अधिकारियों ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए मेटागुड़ा गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। मेटागुड़ा गांव के ग्रामीण दो दिन पहले स्कूल, आंगनबाड़ी भवन सहित विभिन्न मांगों को लेकर ट्रैक्टर से जिला मुख्यालय सुकमा पहुंचे थे। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद कलेक्टर अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर सहित प्रशासनिक अमला शुक्रवार को किस्ताराम से करीब 20 किलोमीटर दूर पालाचलमा पंचायत के मेटागुड़ा गांव पहुंचा। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने बाइक से गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं जानी और मौके पर ही उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। पेड़ की छांव में लगी चौपाल, जमीन पर बैठकर सुनी ग्रामीणों की बात गांव पहुंचने पर कलेक्टर अमित कुमार एवं अधिकारियों ने पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई। कलेक्टर ने जमीन पर बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और एक-एक कर उनकी मांगों की जानकारी ली। इस दौरान मेटागुड़ा में आंगनबाड़ी भवन तथा आमापेटा में प्राथमिक शाला भवन के निर्माण के



लिए तत्काल स्वीकृति आदेश जारी किए गए। ग्रामीणों ने गांव में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपनी अपेक्षाओं से प्रशासन को अवगत कराया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सिंचाई और रोजगार के अवसरों को मिलेगा बढ़ावा ग्रामीणों की सिंचाई सुविधा से जुड़ी मांगों को भी प्राथमिकता दी गई है। गांव में नहर विकास कार्य के साथ वीबी-जी रामजी के अंतर्गत तालाब निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों से एक ओर जहां

सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। दो माह में बिजली पहुंचाने का आश्वासन, सड़क के लिए डीपीआर तैयार मेटागुड़ा में बिजली सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में अधिकारियों ने लगभग दो माह की अवधि में विद्युत सुविधा पहुंचाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। वहीं सड़क निर्माण की मांग पर डीपीआर तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जा चुका है। इससे गांव को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ी है। सोमवार को गांव में लगेगा शिविर, ग्रामीणों को मिलेगी शासकीय सेवाएं ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और आवश्यक दस्तावेजों से जोड़ने के लिए सोमवार को मेटागुड़ा में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में वोट आईडी, आधार कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड और आयुष्मान कार्ड से संबंधित कार्य किए जाएंगे। इससे ग्रामीणों को जरूरी दस्तावेज बनवाने और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में सहायता मिलेगी। मेटागुड़ा में प्रशासनिक अमले के सीधे पहुंचने और ग्रामीणों के साथ संवाद करने से स्थानीय समस्याओं को मौके पर समझने तथा उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन का आभार जताया।

रामधुनी कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कवर्धा के ग्राम छीरहा स्थित हाईटेक नए बस स्टैंड एवं लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर के समीप आयोजित भक्तिमय रामधुनी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मीनारायण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने रामधुनी कार्यक्रम में श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए रामधुनी टीम के सदस्यों के साथ बैठकर कीर्तन भी किया। भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए प्रदेश की उन्नति और सभी नागरिकों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान रामधुनी कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं भक्तिमय आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है।